<u>**अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु**</u>

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड-- 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है । इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है । इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है ।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें । एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series YZW1X प्रश्न-पत्र कोड 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/1/1	2/1/2	2/1/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	(18)
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(C) हमें अपनी विशेषताओं का ज्ञान नहीं है।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) जीवन में सुख-दुख का होना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की ग़लत व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• सुख-दुख से भरे जीवन से संतुष्ट होना और दूसरों को देखकर खुश होना	1
	(v)	(v)	(v)	• जीवन में नकारात्मक भावों को स्थान देना • जीवन में जो उपलब्ध है, उसके बारे में ध्यान न देकर अभावों के विषय में सोचना	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• दो भिन्न-भिन्न स्वभाव और प्रकृति वाले व्यक्तित्व द्वारा परस्पर मिलकर रचनात्मक ऊर्जा से जीवन को एक नया आयाम देना • दूसरों पर अपने विचारों को थोपने की अपेक्षा परस्पर सहयोग की भावना रखना	2
	(vii)	(vii)	(vii)	अभिप्राय- • प्रकृति का पल-पल परिवर्तित होना संदेश- • गतिशील जीवन में दुख-दर्द का स्थायी न होना	1+1

2	**2**	**1**	**2**	**अपठित पद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(8)
	(i)	(i)	(i)	(A) एक अकेला शोषित व्यक्ति, संपूर्ण शोषक वर्ग से शक्तिशाली है।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) शोषित वर्ग के अभावों को दूर कर, उन्हें अधिकार देना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) क-1, ख-2, ग-3	1
	(iv)	(iv)	(iv)	किसे- ● शोषक वर्ग को चेतावनी- ● अत्याचार रूपी अंधकार का अंत करने के लिए शोषित व्यक्ति का ही शक्ति रूपी सवेरा बनकर आना	½ +½
	(v)	(v)	(v)	● शोषित व्यक्ति की शक्ति और सामर्थ्य को कम नहीं आँकना ● विरोध का पहला स्वर- शोषण के अंत की शुरुआत जैसे- एक छोटी-सी चिंगारी संपूर्ण वन-प्रदेश को जलाने में सक्षम	2
	(vi)	(vi)	(vi)	● मानव का शोषण के अंत के बहुत निकट होना ● जीवन की कठिनाइयों का अंत कर आदर्श समाज की स्थापना के करीब पहुँचना	2
				खंड – ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	(22)
3	**3**	4	**3**	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख- ● आरंभ – 1 अंक ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक	6x1= 6

4	**4**	**3**	**4**	किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित-	(4**x**2 =8)
	(i)	-	-	• आत्मनिर्भर होकर लिखित रूप में अभिव्यक्ति का अभ्यास न करना • रटंत पर निर्भर होकर अभ्यास के हर मौके को गँवा देना • तैयारशुदा सामग्री की उपलब्धता और हमारी उस पर निर्भरता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ii)	-	-	• संवादों से ही कहानी का विकास संभव • पात्र-परिचय, संबंध, चारित्रिक विशेषताएँ एवं भावों की प्रस्तुति • दृश्य, घटनाओं एवं परिवेश का वर्णन (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iii)	-	-	• 19वीं सदी के मध्य में शुरूआत • अमेरिका में हुए गृहयुद्ध के दौरान • लेखन और संपादन की सुविधा • टेलीग्राफ़िक सेवाओं का मँहगा, अनियमित और दुर्लभ होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iv)	-	-	• अर्थ जगत की पारिभाषिक और तकनीकी शब्दावली एवं भाषा-शैली की दुरुहता • अर्थ जगत के क्षेत्र की व्यापकता • अर्थ जगत से जुड़े सभी क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करना कठिन • अर्थ जगत से जुड़े लोगों की भी जरूरतों का ध्यान रखना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(v)	-	-	• स्थायित्व एवं प्रामाणिकता • सस्ता और सहजता से उपलब्ध • कभी-भी, कहीं-भी ले जाने और पढ़ने की सुविधा • ख़बरों पर रुककर चिंतन, विचार और विश्लेषण करने की सुविधा • लिखित भाषा का विस्तार (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

	-	(i)	-	• चिरपरिचित विषयों पर तैयारशुदा सामग्री की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता • नया सोचने और लिखने की कोशिश करने के स्थान पर उपलब्ध सामग्री पर निर्भरता	2
	-	(ii)	-	• रेडियो नाट्यालेखन में विजुअल्स अर्थात् दृश्यों का न होना, नाट्यालेख तथा फ़िल्म पटकथा में विजुअल्स अर्थात् दृश्यों का होना • ध्वनि प्रभावों, संवादों के माध्यम से ही दृश्यों का निर्माण जबकि नाट्यालेख तथा फ़िल्म पटकथा में ध्वनि प्रभावों, संवादों के साथ-साथ दृश्यांकन	2
	-	(iii)	-	वायस ओवर- • नेपथ्य से आने वाली ऐसी ध्वनि, जो दर्शकों को सुनाई देती है, परंतु पात्र नहीं बोलता महत्त्व- • पात्रों के मनोभावों, विवरण के रूप में व्यक्त प्रसंगों एवं मानसिक द्वंद्व के दृश्यों की नाटकीय प्रस्तुति	1+1
	-	(iv)	-	• व्यापकता एवं लोकप्रियता बढ़ाने के लिए • अलग-अलग रुचि के पाठकों को संतुष्ट करने के लिए • विभिन्न विचार और दृष्टिकोणों से पाठकों को अवगत कराने के लिए • व्यावसायिक लाभ के लिए (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(v)	-	• उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य	1+1
	-	-	(i)	• लेखन का कोई निश्चित फ़ार्मूला न होना • विषय और व्यक्ति की प्रकृति के अनुरूप लेखन में विविधता • एक ही विषय पर शताधिक कोणों से विचार (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ii)	• श्रव्य माध्यम होने के कारण एक्शन को संवादों द्वारा प्रस्तुत करना कठिन • बहुत ज्यादा एक्शन सुनना उबाऊ	2

				● रेडियो नाटक की सीमित अवधि (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
-	-	(iii)		● वायस ओवर की सहायता से ● स्वगत कथन की सहायता से	2
-	-	(iv)		अभिप्राय- ● संवाददाताओं के बीच उनकी रुचि और ज्ञान को ध्यान में रखकर काम का बँटवारा उदाहरण – ● खेल, राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, फिल्म, कृषि, विज्ञान आदि	1+1
-	-	(v)		खोजी रिपोर्ट- ● मौलिक शोध और छानबीन के द्वारा किसी भी घटना, समस्या या मुद्दों से जुड़ी ऐसी सूचनाएँ या तथ्य सामने लाना, जो पहले से उपलब्ध न हों महत्त्व- ● सरकारी-गैर सरकारी संस्थानों के बीच चल रही अनियमितताओं, गड़बड़ियों को उजागर करने में सक्षम	1+1
5	**5**	**5**	**5**	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2**x**4 =8)
	(i)	(i)	(i)	● व्यक्ति विशेष की जीवन दिशा को बदलने वाली घटना से आरंभ कर ● ताज़ा उपलब्धि के ब्योरे से शुरूआत करके उनके पिछले जीवन के संघर्षों की ओर मोड़कर ● व्यक्ति विशेष और उनके नजदीकी लोगों एवं उनकी उपलब्धियों से परिचित विशेषज्ञों के दिलचस्प, आकर्षक और खास वक्तव्यों को उद्धृत कर ● जीवन के अहम क्षणों पर रोशनी डालने वाली एक-दो घटनाओं को उन्हीं के शब्दों में प्रस्तुत कर ● फ़ीचर के आखिरी हिस्से में उनकी भविष्य की योजनाओं, चुनौतियों और उनसे निपटने की तैयारी का उल्लेख कर (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4

	(ii)	(ii)	(ii)	अंतर- ● संवाददाता : सामान्य घटना अथवा समाचार (बीट) को कवर करने वाला ● विशेष संवाददाता : विशिष्ट क्षेत्र या विषय पर गहन जानकारी और विश्लेषण के साथ विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाला उदाहरण- ● शेयर बाज़ार में आने वाली भारी गिरावट के लिए संवाददाता द्वारा सभी जरूरी सूचनाएँ एकत्रित कर एक तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करना लेकिन विशेष संवाददाता द्वारा इस गिरावट के कारणों और आम निवेशकों पर पड़ने वाले प्रभाव का भी विश्लेषण करना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	2+2
	(iii)	(iii)	(iii)	● दृश्यात्मकता का नाटक के पात्रों से मेल कर ● पात्रों की भाव-भंगिमाओं और उसके तौर-तरीकों से प्रभाव उत्पन्न कर ● पात्रों के मनोभावों को स्वगत कथन या वायस ओवर के माध्यम से प्रस्तुत कर ● कहानी के लंबे संवादों को छोटा कर ● परिस्थिति, परिवेश और कथानक के अनुसार ● वस्त्र सज्जा, मंच सज्जा, ध्वनि और प्रकाश के माध्यम से पात्रों के चरित्र का रूपांतरण कर (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
				खंड – ग **(पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)**	(40)
6	**6**	8	**6**	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) जाति-पाँतिगत भेदभाव का वर्णन / (C) समाज में विद्यमान भेदभाव का वर्णन (दोनों में से कोई भी एक विकल्प स्वीकार्य)	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(B) जाति आधारित वैवाहिक प्रथा पर	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) राम का	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(C) कथन सही है लेकिन कारण कथन की ग़लत व्याख्या करता है।	1
	(v)	(v)	(v)	(C) किसी से कोई संबंध न रखना	1

7	7	6	7	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 =**6**)
	(i)	-	-	• समाज से कवि का नाता खट्टा-मीठा, जग जीवन से पूरी तरह निरपेक्ष रहना संभव नहीं • कवि की अपनी अस्मिता, अपनी पहचान का उत्स, उसका परिवेश ही उसकी दुनिया • अपना पृथक व्यक्तित्व रखते हुए भी कवि द्वारा दुनिया से अपने द्विधात्मक और द्वंद्वात्मक संबंधों का मर्म उद्घाटित करना	3
	(ii)	-	-	अर्थ- • कथ्य के भाव या अभिव्यक्ति के अनुरूप ही शब्दों का चयन • भाषा को सहूलियत से बरतने पर रचना में सहजता आना • अपना भाव संप्रेषित करने में समर्थ (कोई एक बिंदु अपेक्षित) क्यों- • कठिन और बोझिल भाषा के प्रयोग से अर्थग्रहण में कठिनाई • भाषा की सहजता से भावाभिव्यक्ति सरल और प्रभावी	1+2
	(iii)	-	-	• राख से चौके का लीपा जाना • काली सिल का लाल केसर से धुलना • स्लेट पर लाल खड़िया चाक मलना • गौर झिलमिल देह के प्रतिबिंब का नीले जल में हिलना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	(i)	-	• संसार की अपूर्णता • संसार का स्वार्थी एवं सदैव अपना ही हित साधने वाला होना • झूठा गुणगान करने वालों को ही संसार द्वारा महत्त्व देना • सांसारिक मोह-माया, धन-वैभव के प्रति कवि का विरक्ति भाव • दिखावे की दुनिया से अलग स्नेह की सुरा का पान करके प्रिया की यादों में खोया रहना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

	-	(ii)	-	• भाषा हमारे भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने का साधन • भावों और विचारों को सहज, सरल भाषा में प्रस्तुत करने से अभिव्यक्ति की स्पष्टता • पांडित्य-प्रदर्शन एवं जबरन प्रयोग किए गए शब्दों से रचना का प्रभावहीन हो जाना (परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)	1+2
	-	(iii)	-	• राख से चौके का लीपा जाना • काली सिल का लाल केसर से धुलना • स्लेट पर लाल खड़िया चाक मलना • गौर झिलमिल देह के प्रतिबिंब का नीले जल में हिलना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	-	(i)	• कवि द्वारा स्वयं की अस्मिता की अभिव्यक्ति • संसार से अपने खट्टे-मीठे, द्विधात्मक और द्वंद्वात्मक संबंध को स्पष्ट करना • सांसारिक मोह-माया से निर्लिप्त रहते हुए विषम परिस्थितियों में भी सहज आनंद में रहना	3
	-	-	(ii)	• पांडित्य-प्रदर्शन एवं जबरन प्रयोग किए गए शब्दों से रचना का प्रभाव कम होना • पेचीदे शब्द-जाल में फँसी भाषा का प्रभावहीन होना • जटिल शब्दों का प्रयोग भावों और विचारों की सहज एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति में बाधक	3
	-	-	(iii)	• पवित्रता - राख से लीपा हुआ गीला चौका • निर्मलता - नील जल में किसी की गौर झिलमिल देह • उज्ज्वलता - काली सिल जरा से लाल केसर से जैसे धुल गई	3

8	8	7	8	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	प्रतीक- ● पंक – शोषक वर्ग (पूँजीपति, साधन-संपन्न), विप्लव – क्रांति स्पष्टीकरण- ● जल प्लावन हमेशा पंक पर ● क्रांति से शोषक वर्ग का पतन	1+1
	(ii)	(ii)	(ii)	● शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति द्वारा अपनी पीड़ा, तकलीफ आदि को समाज तक पहुँचाने का अवसर ● मीडिया कर्मी की संवेदनहीनता और कोरी व्यावसायिकता	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	● लचीली डाल की तरह पतंग उड़ाते बच्चों का भी गतिशील होना ● पतंग उड़ाते बच्चों का निडर होकर किसी भी दिशा में भागना	2
9	9	11	9	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(C) भक्तिन की चारित्रिक विशेषता स्पष्ट करने के लिए	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) पैसों को सँभालकर रखने	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) यमराज	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(v)	(v)	(v)	(B) बातों को ढालकर बताती थी।	1
10	**10**	**10**	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 =**6**)
	(i)	(i)	(i)	क्यों- ● लू के प्रभाव से बचने के लिए शरीर में तरलता आवश्यक, उसी प्रकार बाज़ार की चकाचौंध से बचने के लिए मन का लक्ष्य से भरा होना आवश्यक संदर्भ- ● बाज़ार को कृतार्थता और सार्थकता देना ● लक्ष्य से भरे मन पर बाज़ार का प्रभाव न पड़ना ● बाज़ारूपन का असर न होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2

	(ii)	(ii)	(ii)	• उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य	3
	(iii)	(iii)	(iii)	• विपरीत परिस्थितियों का सामना कर अपना लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा • अवधूत की भांति संसार से विरक्त होकर सुख-दुख में समभाव रखना • शिरीष द्वारा ग्रीष्म ऋतु में भी लू से जलने वाली धरती पर अविचल होकर हरा-भरा रहना और छाया प्रदान करना	3
11	11	9	10	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	हाँ, • बाज़ार के आकर्षण में नहीं बँधना • आवश्यकता के अनुसार ही वस्तु ख़रीदना • संतोषी प्रवृत्ति से शांति की स्थापना • बाजारूपन, छल-कपट, बेईमानी का अंत, दिखावे की प्रवृत्ति को विराम (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ii)	(ii)	(ii)	• शिरीष के समान ही कबीर की मस्ती, फक्कड़पन, बेपरवाही और सरसता • संघर्षों का सामना करते हुए दोनों का मस्त, बेपरवाह बने रहना	2
	(iii)	(iii)	(iii)	• कुछ व्यक्तियों का दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना • अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशा अपनाना	2
12	12	12	12	**'पूरक पाठ्य पुस्तक'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में) –	(**2x**5 =10)
	(i)	-	-	क्यों- • किशनदा के आदर्शों से प्रभावित • पारंपरिक रीति-रिवाज एवं मान्यताओं में विश्वास • आधुनिक जीवन शैली एवं मूल्यों को व्यर्थ मानना • पारिवारिक एवं कार्यालयी व्यवहार से असंतुष्ट (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+3

				तर्क- (परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	
	(ii)	-	-	• कठिन परिस्थितियों से हार न मानकर संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कथा • पाठशाला जाने के लिए कथानायक (आनंदा) का अपनी माँ और दत्ता जी राव के सहयोग से पिता को मनाना • खेतों में काम करते हुए भी अपनी पढ़ाई जारी रखना • सहपाठियों द्वारा उड़ाई जाने वाली खिल्ली को सहन करना • सद्व्यवहार से अध्यापकों एवं सहपाठियों का दिल जीतना • खेतों में काम करते हुए कविता लेखन के शौक को पूरा करना (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	(iii)	-	-	आधार- • नदी का महत्त्व • जल की समुचित व्यवस्था • लगभग 700 कुँओं का निर्माण • महाकुंड एवं स्नानागार का निर्माण • जल-संग्रहण एवं निकासी की उचित व्यवस्था (कोई दो बिंदु अपेक्षित) क्यों- • विश्व में जल-संकट गहराना • आबादी के अनुपात में जल संसाधनों की कमी • जल का प्रदूषित होना • जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर का पिघलना आदि (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	2+3
	-	(i)	-	क्यों- • आधुनिक जीवन शैली एवं मूल्यों को व्यर्थ मानना • अपरिचित मेहमानों के समक्ष असहज महसूस करना	2+3

				तर्क- (परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	
	-	(ii)	-	● कठिन परिस्थितियों से हार न मानकर संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कथा ● लेखक द्वारा ग्रामीण-जीवन के संघर्ष की जीवंत प्रस्तुति ● आनंदा और उसके परिवार के माध्यम से जीवन की जद्दोजहद में लगे गरीब किसान, खेतिहर मजदूरों का वर्णन उदाहरण- ● पढ़ाई से अधिक खेती को महत्त्व देना ● गुड़ की अच्छी-खासी कीमत पाने के लिए कोल्हू को जल्दी चलाना ● ग्रामीण महिलाओं का धूप में कंडे थापना (कोई दो उदाहरण अपेक्षित)	3+2
	-	(iii)	-	● साधन संपन्न सभ्यता ● खेतिहर और पशुपालक सभ्यता ● आडंबरों और दिखावे से दूर ● लघुता में भी महत्ता अनुभव करने वाली संस्कृति ● राजपोषित, धर्मपोषित सभ्यता के स्थान पर समाजपोषित सभ्यता ● सुनियोजित नगर ● आज की सेक्टर मार्का कॉलोनियों से अधिक सुनियोजित ● पानी का उचित प्रबंध, पानी-निकासी की उचित व्यवस्था ● सामाजिक व्यवस्था में एकरूपता ● उन्नत वास्तुकला का नमूना ● सुरुचि और कला को महत्त्व ● स्वयं अनुशासित (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	-	(i)	(परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5

	-	-	(ii)	• दत्ता जी राव द्वारा लेखक को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना • गणित के मास्टर द्वारा अपनेपन का व्यवहार और दी जाने वाली शाबाशी से पढ़ने का आत्मविश्वास बढ़ना • मराठी मास्टर सौंदलगेकर द्वारा लेखक की कविताओं के पाठन, काव्य-लेखन में सुधार • मराठी मास्टर सौंदलगेकर द्वारा लेखक को कविताओं की पुस्तकें देने से लेखक में भावी साहित्यकार का बीजारोपण • मराठी मास्टर द्वारा कविता लेखन को प्रोत्साहन	5
	-	-	(iii)	• उन्नत खेती • खुदाई के दौरान गेहूँ, कपास, चने और सरसों की खेती के प्रमाण • ज्वार, बाजरा, रागी की खेती के प्रमाण • खजूर, अंगूर, खरबूजों, बेर के साक्ष्य • अन्न भंडारण के लिए विशाल कोठार का मिलना • खेती के लिए प्रयुक्त ताँबे और पत्थर के औज़ारों का मिलना • बैलगाड़ी के उपयोग के साक्ष्य प्राप्त होना (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5